तापमान
अधिकतम 35 .6 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 13 जुलाई 2025

11 एक पेड़ दिव्यांग के नाम अभियान के अंतर्गत ..

12 भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सुबह पांच ...

नगर निगम को मिलेंगी 20 टिप्पर और 40 रिक्शा रेहड़ी

चुनौती बनी सफाई, तीन दिन में पटरी पर लौटेगी व्यवस्था

- सफाई नहीं होने से सड़कों पर लगे हैं कूड़े के ढेर
- नया टेंडर हाल ही में खोला गया है जिसकी वजह से पूरी तरह से काम शुरू नहीं हो पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर में अभी सफाई अभियान सही ढंग से नहीं चल पा रहा है। कई जगह चौराहों पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। बरसात के पानी में गंदगी सड़कों पर तैर रही है, जिसकी वजह से शहरवासी परेशान हैं। इन्हीं हालात में नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद शर्मा ने दावा किया है कि लोग थोड़ा सा संयम बरते और सहयोग करें। केवल तीन दिन में 20 टिप्पर व 40 रिक्शा रेहड़ी बढ़ाए जाएंगे और सफाई व्यवस्था को पटरी पर ले आएंगे। नया टेंडर हाल ही में खोला गया है जिसकी वजह से अभी पूरी तरह से काम शुरू नहीं हो पाया है। नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि नगर निगम द्वारा घर-घर से कूड़ा उठान के लिए ई-निविदा के माध्यम से कार्य आवंटित किया गया जा चुका है।

नगर निगम क्षेत्र को इस कार्य के लिए पांच जोन में बाटा गया है तथा सम्बन्धित एजेन्सियों द्वारा घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए 17 टिप्पर, 16 ट्रैक्टर ट्राली व 7 रेहड़ी लगाई गई है।

हर जोन पर करीब 49 लाख का खर्च आएगा। इसके अतिरिक्त शहर से गंदगी के ढेर उठाने के लिए 33 ट्रैक्टर ट्राली, 4 जेसीबी, 2 लोडर, 1 हाईवा लगाई जा चुकी है। सम्बन्धित एजेन्सियो को निर्देश दिए जा चुके है कि दो दिन के अंदर-अंदर शेष संसाधन भी घर-घर से कूड़ा उठान के लिए लगाएं तथा एक-दो दिन के अंदर 20 टिप्पर व 40 रिक्शा रेहड़ी बढ़ाए जाएंगे।

30 जून को टेंडर समाप्त हो गया था

गौरतलब है कि विगत 30 जून 2025 को नगर निगम क्षेत्र से कूड़ा उठान का कार्य समाप्त हो गया था। आमजन की सुविधा हेतु वर्तमान में नगर निगम द्वारा तीन महीने के लिए कूड़ा उठान का कार्य आवंटित किया गया है तथा पांच वर्ष के कार्य के लिए ई-निविदा की जा चुकी है। नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके है कि इस कार्य की निरंतर निगरानी कर जल्द से जल्द सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करें। निगम आयुक्त ने आमजन से भी अपील की है कि गंदगी न फैलाएं तथा इधर-उधर न फेंके। सभी अपने घरों, दुकानों, संस्थानों, रेहड़ी, फड़ी आदि से निकलने वाले कूड़े को एकत्रित करने के लिए डस्टबीन एवं 5, 10 या 20 किलोग्राम के बायोडिग्रेबल बैग में डाल कर बांध दे जिसे नगर निगम द्वारा उठवाया जाएगा।

HAPPY CHILD COLLEGE OF NURSING
SONIPAT Health for All
Mehlana Road, Opp. Sector-23, Sonepat
(Managed by Balyan Education Society & Approved by HNRC & INC New Delhi)
(A pioneering institute in Nursing Education in Delhi-NCR) Affiliated by Pt. BD Sharma University of Health Science, Rohtak
Contact : 09215550127, 9466388128
Website : hcsnursing.org, Email : info@hcsnursing.org
ADMISSION OPEN (Session 2025-26)
B.Sc. (N) (4 Years) Eligibility : 10+2 PCB
ANM Arts & Commerce (2 Years)Eligibility : 10+2 PASS
Boys & Girls
P.B. B.Sc. (N) (2 Years) Eligibility : after GNM
GNM Arts & Commerce (3 Years) Eligibility : 10+2 WITH 40%
All the Courses are Job-oriented with Excellent Placement
Narender Balyan (Chairman) Mob.: 9215550127

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
JHAJJAR (DELHI-NCR)
NAAC A GRADE
NBA ACCREDITED
B.TECH ME, ECE and MBA
GITAM is among the BEST ENGINEERING INSTITUTES OF THE COUNTRY !
RANKED #19 in North India
RANKED #39 Pvt. Institutes in India
RANKED #41 Across India
RANKED #62 Placement Across India
Times Engineering Institute Ranking Survey-2025
Industry Oriented Curriculum
Degree Conferred by MDU, Rohtak
GSAT 2025 MCQ based
GITAM SCHOLARSHIP -cum- ADMISSION TEST
13/07/2025 | 10:30 am Onwards
Free Registration at www.gangainstitute.com
Venue: GITAM, JHAJJAR (DELHI-NCR)
ADMISSIONS OPEN 2025-26
B.TECH | B.TECH (LEET)
CSE, CSE (DATA SC.), CSE (AI & ML)
ECE, MECHANICAL, ELECTRICAL, CIVIL
FIRE TECHNOLOGY AND SAFETY
FOR WORKING PROFESSIONALS
B.TECH (FIRE TECH. & SAFETY, CSE), M.TECH (CSE), MBA
M.TECH | MBA | BBA | MCA | BCA | B.ARCH | M.ARCH | B.ED | M.ED
For Admission Enquiry
8684000891 / 892 / 893 / 906 / 9654292946
www.gangainstitute.com
GANGA GROUP OF INSTITUTIONS
Approved by AICTE/UGC/NCTE/COA/MDU
GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)
9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com
GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)
8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com
Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi +91-9654292902, 03, 04

एक तरफा प्यार में मारी थी फौजी ने महिला को गोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जीआरपी ने रेलवे स्टेशन पर महिला की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं अभी तक की पूछताछ में पता चला है कि पूर्व फौजी ने एक तरफा प्यार में महिला को गोली मारी थी। वह महिला को पहले से जानता था और जबरन बातचीत करता था। महिला ने बातचीत से इंकार किया तो उसकी हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंपा और महिला के बेटे की शिकायत पर हत्या का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक, महिला पिंकी शहर की एक कंपनी में काम करती थी। उसकी आरोपी वजीर सिंह निवासी रिजवाना जींद से ट्रेन में जान पहचान हुई थी। महिला को वजीर सिंह ने एक कंपनी में नौकरी लगवाया था। वह खुद कोटक महिंद्रा बैंक में बतौर सुरक्षाकर्मी तैनात था। इस दौरान महिला और वजीर की बातचीत शुरू हो गई थी। जीआरपी थाना प्रभारी जोगिंदर सिंह ने बताया कि वजीर सिंह महिला से एकतरफा प्यार करता था। लेकिन महिला उससे बातचीत नहीं करना चाहती थी। इस रंजिश में आरोपी ने महिला को रेलवे स्टेशन पर गोली मार दी।

जीआरपी की गिरफ्त में आरोपी वजीर सिंह।

ऑनलाइन टिकट बुक करने के नाम पर ठगी तीन लोग गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने ऑनलाइन टिकट बुक करने के नाम पर हुई 67 हजार रुपये की ठगी की वारदात में विदेशी आरोपी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। अर्बन एस्टेट थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि सेक्टर-36 सनसिटी निवासी सुमित की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच के दौरान आरोपी राहुल निवासी दक्षिण दिल्ली, विशाल दक्षिण दिल्ली व विदेशी आरोपी गिरफ्तार किया गया है। आरोपियो से 9 मोबाइल फोन व 10 एटीएम कार्ड बरामद हुए है।

सांपला: धान के खेत में मिला श्रमिक का शव

सांपला। कस्बे के दहकोरा मार्ग पर धान के खेत में एक मजदूर का शव पड़ा मिला है। पुलिस ने शव को पीजीआई रोहतक भेज दिया। जबकि परिजनों को सूचना दे दी है। शनिवार की सुबह लोगों ने एक व्यक्ति का शव फैक्ट्री एरिया में धान के खेत में पड़ा देखा। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को खेत से बाहर निकाला। जबकि खेत के बाहर एक बैग ,चद्दर, शराब की बोतल पाई गई। बैग में मिथुन ऋषि पुत्र रामा ऋषि निवासी डूमरिया घाट थाना मीरगंज पूर्णिया बिहार पते का आधार कार्ड भी मिला। पुलिस का मानना है कि युवक की मौत अधिक शराब पीकर पानी से भरे धान के खेत में गिरने से हुई है।

सीसर खास गांव में ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत

महम। सीसर खास गांव में एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक किसान ट्रैक्टर पलट गया। ट्रैक्टर पलटने से किसान उसके नीचे दब गया और मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अनिल उर्फ काला के रूप में हुई है। बताते हैं कि वे अपने खेत में धान की रोपाई के लिए जमीन तैयार करने जा रहा था। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे अनिल अपने ट्रैक्टर पर सवार होकर खेत की ओर जा रहा था। रास्ते में यह हादसा हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि अनिल अविवाहित था भाई के खेती का कार्य संभालता था।

एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
कैंसर की पूरी, विश्वस्तरीय जांच और इलाज
कैंसर के इलाज के लिए अब दिल्ली क्यों जाना ?
एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल
अब
CGHS
और
CISF, CRPF, CAPF, SSB, BSF, ITBP, NSG, Delhi Police
पैनलों में शामिल
अपॉइंटमेंट एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
9138111625
एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
सुशांत सिटी, कुंडली, रसोई गाँव के पास, सोनीपत
www.andromedahospital.in
NABH मान्यता प्राप्त
Scan the code to open the Google Map

इक्विटी फंड्स ने एसआईपी पर 27% तो लंपसम पर 23% दिया सालाना रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों की हो गई बढ़िया कमाई, लगातार बढ़ रहे निवेशक, लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर निवेश करेंगे तो हो जाएंगे मालामाल

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए पैसे लगाने की बात कही जाती है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि इक्विटी फंड्स में 10 साल के लिए निवेश करने पर पॉजिटिव रिटर्न की पूरी संभावना रहती है, जबकि निगेटिव रिटर्न की आशंका ना के बराबर रह जाती है। यहां हम कुछ ऐसे इक्विटी फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 10 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रिटर्न दिए हैं। इन इक्विटी फंड्स ने न सिर्फ लंपसम इनवेस्टमेंट पर सालाना 19 से 23 फीसदी तक फायदा कराया है, बल्कि एसआईपी करने वालों को भी 22 से 27 फीसदी तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। हमने यहां सिर्फ उन्हीं फंड्स को लिया है, जिनकी वैल्यू रिसर्च की रेटिंग 4 या 5 स्टार है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

यहां हम जिन इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, उनमें एसआईपी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम में अगर किसी ने 10 साल पहले हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू की होगी, तो उनके 12 लाख के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू 49 लाख रुपये तक पहुंच गई होगी। इन सभी फंड्स ने एसआईपी और लंपसम दोनों में अच्छा-खासा मुनाफा दिया है। वह भी अच्छी रेटिंग के साथ।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 22.76%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,77,138 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.02%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 44,53,987 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64%

2. क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 21.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,09,694 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.59%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 41,25,214 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.51%

3. क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 20.83%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,63,497 रुपये
- SIP पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.83%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 49,08,676 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.66%

4. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.67%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,02,320 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.24%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,48,537 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%

5. कोटक मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.45%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,91,346 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.92%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,71,502 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38%

6. एडलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,90,999 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.47%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,98,172 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.39%

7. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.03%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,70,794 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.09%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,07,119 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75%

क्या बता रहे हैं आंकड़े

10 साल में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले इन इक्विटी फंड्स में 4 मिडकैप फंड, 2 स्मॉल कैप फंड और एक ईएलएसएस फंड है। इन सभी के रिटर्न के आंकड़ों से एक बात तो साफ है कि अगर निवेशक सही स्कीम में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें तो काफी अच्छा मुनाफा ले सकते हैं। फिर चाहे वो लंपसम इनवेस्टमेंट हो या मंथली एसआईपी के जरिये किया गया निवेश। हालांकि म्यूचुअल फंड में पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबी अवधि के लिए किया गया रेगुलर इनवेस्टमेंट आमतौर पर फायदेमंद साबित होता है, लेकिन स्टॉक्स में एक्सपोजर की वजह से इन सभी इक्विटी फंड्स को बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग मिली हुई है। लिहाजा निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपने रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

जितनी लंबी नौकरी, उतनी ही ज्यादा मिलेगी ग्रैच्युटी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

- एक कंपनी में लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने पर मिलती है ग्रैच्युटी
- यह लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया है

अगर आप एक ही कंपनी में लंबे समय तक काम करते हैं, तो रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर कंपनी की ओर से ग्रेच्युटी के रुप में एक खास तोहफा मिलता है। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होती है, जो आपकी मेहनत का इनाम है, लेकिन लोग अक्सर इसको लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ग्रेच्युटी रकम कब मिलती है, कितनी मिलती है और कैसे मिलती है? अगर आपकी सैलरी अंतिम सैलरी 25,000, 30,000 या 40,000 रुपये है और आपने एक ही कंपनी में 15 साल तक काम किया है, तो आपको रिवार्ड के रूप में कितनी गेच्युटी मिलेगी? यहां दिए गए कैलकुलेशन से समझिए।

ग्रेच्युटी क्या होती है?

ग्रेच्युटी वो रकम है जो कंपनी आपको तब देती है जब आपने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक वहां काम किया हो। ये लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया गया है।

किन हालातों में मिलती है ग्रेच्युटी

- रिटायरमेंट पर
- नौकरी छोड़ने पर (5 साल की सेवा के बाद)
- अस्थायी या स्थायी अपंगता पर
- कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में (नॉमिनी को)

ग्रेच्युटी के लिए कौन है एलिजिबल?

- अगर आपने एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम किया है तो आप इसके हकदार हैं। मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में 5 साल पूरे ना होने पर भी ग्रेच्युटी दी जाती है।

ग्रेच्युटी कैलकुलेशन के लिए क्या है फॉर्मूला

- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- अंतिम सैलरी = बेसिक सैलरी + डीए (महंगाई भत्ता)

कैसे होती है ग्रेच्युटी कैलकुलेशन?

- ग्रेच्युटी की राशि निम्नलिखित सूत्र से गणना की जाती
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- यहां, अंतिम वेतन में मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होते हैं।
- उदाहरण के लिए अगर आपका अंतिम सैलरी 25,000 रुपये है और आपने 15 साल नौकरी की है, तो

ग्रेच्युटी मिलेगी

- ग्रेच्युटी = (15 × 25,000 × 15)/26 = 2,16,346 रुपये यानी लगभग 2.16 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 15)/26 = 2,59,615 रुपये यानी लगभग 5.60 लाख
- अगर अंतिम सैलरी 40,000 है, तो ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 15)/26 = 3,46,153 रुपये यानी लगभग 3.46 लाख

गणना में अधूरे साल का क्या होता है?

ग्रैच्युटी वो रकम है जो कंपनी अपने कर्मचारी को तब देती है जब उसने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक उसी कंपनी में काम किया हो। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होता है. खास बात ये है कि अगर आपने किसी साल 6 महीने या उससे ज्यादा काम किया है, तो उसे पूरा साल माना जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ग्रेच्युटी की गणना करते समय अगर किसी कर्मचारी ने किसी साल में 6 महीने या उससे अधिक अतिरिक्त सेवा की है, तो उस अधूरे वर्ष को भी पूरा साल माना जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपने 8 साल और 8 महीने काम किया है, तो ग्रेच्युटी कैलकुलेशन में आपकी सेवा अवधि 8 नहीं बल्कि 9 साल मानी जाएगी. यह नियम पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू होता है, और इसके लिए (15 × अंतिम सैलरी × कुल सर्विस ईयर)/26 का फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है।

- (15 × 25,000 × 9)/26 = 1,29,807 रुपये यानी लगभग 1.30 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 9)/26 = करीब 1,55,769 रुपये
- और अगर अंतिम सैलरी 40,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 9)/26 = 2,07,692 रुपये के आसपास मिलेगी

क्या कंपनी ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है?

यदि कंपनी 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' के अंतर्गत आती है, तो वह कानूनी रूप से ग्रेच्युटी देने से मना नहीं कर सकती। हालांकि, यदि कर्मचारी को अनुशासनहीनता या नैतिक अपराध के कारण बर्खास्त किया गया है, तो कंपनी ग्रेच्युटी देने से इनकार कर सकती है, जितनी लंबी नौकरी और जितना अधिक वेतन, उतनी ज्यादा ग्रेच्युटी। यह आपकी सेवा का सम्मान है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

(नोट: यह जानकारी सामान्य गणनाओं पर आधारित है। सटीक रकम जानने के लिए किसी वित्तीय सलाहकार से संपर्क करें या कंपनी के एचआर विभाग से जानकारी प्राप्त करें।)

पांच साल में 25 से 33% सालाना रिटर्न इन फ्लेक्सी कैप फंड्स ने दिखाया दम

- फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी
- हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते

विश्लेषण
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों में इक्विटी फ्लेक्सी कैप फंड कैटेगरी को लेकर अट्रैक्शन लगातार बढ़ रहा है। एम्फी द्वारा जारी किया गया जून 2025 का डाटा देखें तो फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने और इस कैटेगरी में 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह मई 2025 में 3,841 करोड़ रुपये की तुलना में 49% की बढ़त है। इस कैटेगरी में शामिल फंड भी सुपर परफॉर्म कर रहे हैं। 5 साल के दौरान 14 फ्लेक्सीकैप फंड का रिटर्न 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रहा। वहीं, कम से कम 45 फंड ने 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया। इससे निवेशकों के मन में इन फंडों के प्रति आकर्षण अब लगातार बढ़ता जा रहा है। निवेशक अच्छा पैसा कूट रहे हैं।

फ्लेक्सीकैप फंड में क्यों बढ़ा अट्रैक्शन

फ्लेक्सीकैप फंड कैटेगरी की बात करें तो यह इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी मानी जाती है। ये फंड हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते हैं। वहीं इनमें यह सुविधा भी होती है कि बाजार के माहौल के हिसाब से एक तरह के मार्केट कैप से दूसरे मार्केट कैप में निवेश शिफ्ट कर सकें, जिससे बाजार में उतार चढ़ाव का इन पर कम असर होता है। सेबी के नियमों के अनुसार, इन फंड्स को कम से कम 65% पैसा इक्विटी में लगाना जरूरी होता है, लेकिन कई बार यह 90% से ज्यादा भी होता है।

5 वर्ष : 14 फंड ने दिया 25% रिटर्न

- क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड : 32.81%
- आईसीआईसीआई प्रू रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड : 30.85%
- एचडीएफसी फोकस्ड फंड : 30.11%
- एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड : 29.95%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 29.54%
- एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स इक्विटी फंड : 27.89%
- आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड : 27.38%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 27.24%

- फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 26.73%
- एडलवाइज फ्लेक्सीकैप फंड : 25.78
- पराग पारिख फ्लेक्सीकैप फंड : 25.72%
- फ्रैंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड : 25.20%
- निप्पोन इंडिया फोकस्ड फंड : 25%
- 360 वन फोकस्ड फंड : 24.52%

ऐसा रहा रिटर्न

5 साल के दौरान इस कैटेगरी की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 25 से 33 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है. वैल्यू रिसर्च ने फ्लेक्सी कैप और फोकस्ड फंड को एक ही कैटेगरी में शामिल किया है। असल में दोनों की निवेश करने की स्ट्रैटेजी एक जैसी होती है. अंतर बस इतना है कि फोकस्ड फंड्स अधिकतम 30 स्टॉक्स में ही निवेश कर सकते हैं, जबकि फ्लेक्सी कैप फंड्स में ऐसी कोई लिमिट नहीं होती है।

कम से कम 3 गुना किया पैसा

5 साल में अगर कोई फंड 25 फीसदी सीएजीआर ग्रोथ दिखा रहा है, तो इसका मतलब है कि 5 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न 300 फीसदी हुआ। यानी आपका 1 लाख रुपये 5 साल में 3 लाख रुपये हो गया। इसका मतलब है कि फ्लेक्सीकैप फंड की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 5 साल में कम से कम निवेशकों का पैसा 3 गुना बढ़ाया। 30 से 33 फीसदी रिटर्न वाली स्कीम में 3.5 से 4 गुना पैसा बढ़ गया।

45 फंड का रिटर्न 20% से ज्यादा रिटर्न

बीते 5 साल में 14 फंड ने 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया तो कम से कम 45 फंड ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न मिला. यानी 20 से 25 फीसदी के बीच रिटर्न देने वारली स्कीम की संख्या 31 है। इसी से निवेशक अंदाजा लगा सकते हैं कि ये फंड किस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं। 5 साल में क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड 32.81% एनुअलाइज्ड रिटर्न के साथ टॉप पर है। एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड, बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड, जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड भी टॉपर्स में शामिल हैं।

क्या है फ्लेक्सीकैप फंड

फ्लेक्सीकैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप। इसका उद्देश्य विभिन्न बाजार स्थितियों में लचीलापन प्रदान करना और पोर्टफोलियो को विविध बनाना है।

फ्लेक्सीकैप की विशेषताएं

- लचीलापनः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे फंड मैनेजर को बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है।
- विविधीकरणः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न सेक्टर्स और मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है।
- सक्रिय प्रबंधनः फ्लेक्सीकैप फंड का प्रबंधन सक्रिय रूप से किया जाता है, जिससे फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय ले सकते हैं।

काम की बात कोई भी कर्ज लेने से पहले ब्याज दर, शुल्क, शर्तें और इससे जुड़ी शर्तों का पता करें, ताकि बाद में आपको कोई नुकसान नहीं उठाना पड़े

पेमेंट एप से पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। ये ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है

पेमेंट ऐप से ले रहे हैं लोन, तो जान लें इसके फायदे-नुकसान पर्सनल लोन लेना आसान है, अपनी जानकारी जरूर जुटाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

डिजिटल पेमेंट के इस दौर में गूगल पे जैसे ऐप्स ने न केवल पैसे भेजने और बिल भरने का तरीका आसान किया है, बल्कि अब ये पर्सनल लोन जैसी दूसरी सेवाएं भी दे रहे हैं। गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना कई लोगों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन रहा है, लेकिन इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। इसके अलावा, कुछ छिपी हुई लागत भी हो सकती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यहां हम गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेने के अलग-अलग पहलुओं को आसान भाषा में समझने की कोशिश करेंगे, ताकि सही समय पर जरूरत के हिसाब से सही फैसला लिया जा सकें।

लोन लेने की प्रक्रिया और सुविधा गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। यह ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है, जैसे कि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और अन्य एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां)।

यह करना होगा यूजर को

यूजर को गूगल पे ऐप पर लोन सेक्शन में जाकर अपनी जरूरत के हिसाब से लोन राशि और अवधि चुननी होती है। आमतौर पर, लोन की मंजूरी कुछ ही मिनटों में मिल जाती है, बशर्ते आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो और डॉक्यूमेंट्स पूरे हों। अभी गूगल पे 10,000 रुपये से लेकर 8 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन ऑफर करता है, जिसकी ब्याज दरें 10.99% से शुरू होकर 36% तक जा सकती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है, यानी आपको बैंक की शाखा में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, लोन की राशि सीधे आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाती है, जो इसे तेज और सुविधाजनक बनाता है।

गूगल पे से लोन के नुकसान व जोखिम

हालांकि गूगल पे के जरिए लोन लेना आसान है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम है ऊंची ब्याज दरें। न्यूज़ वेबसाइट मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई एनबीएफसी जो गूगल पे के साथ साझेदारी करते हैं, वे अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज वसूलते हैं, खासकर अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है। इसके अलावा, लोन की अवधि छोटी होने पर मासिक किस्त (ईएमआई) ज्यादा हो सकती है, जो आपके मासिक बजट पर दबाव डाल सकती है।

गूगल पे एक प्लेफार्म

एक और बात ध्यान देने वाली है कि गूगल पे खुद लोन नहीं देता, बल्कि वह एक प्लेटफॉर्म है जो आपको लेंडर्स से जोड़ता है। इसलिए, लोन के नियम और शर्तें उस वित्तीय संस्थान पर निर्भर करती हैं, जिसके साथ आप लोन ले रहे हैं। अगर आप नियम और शर्तें ठीक से नहीं पढ़ते, तो बाद में परेशानी हो सकती है।

छिपी हुई लागत और सावधानियां

गूगल पे के जरिए लोन लेते समय कुछ छिपी लागतें भी हो सकती हैं, जिन्हें अक्सर लोग अनदेखा कर देते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोन ऑफर में प्रोसेसिंग फीस, समय से पहले भुगतान का शुल्क (प्री-पेमेंट चार्ज), और देर से भुगतान की पेनल्टी शामिल हो सकती है।

क्या है गूगल पे

गूगल पे एक डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो गूगल द्वारा विकसित किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को अपने मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

पेमेंट एप की विशेषताएं

- डिजिटल पेमेंट : गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- मोबाइल पेमेंट : गूगल पे मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- कॉन्टैक्टलेस पेमेंट : गूगल पे कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की अनुमति देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने मोबाइल डिवाइस को पेमेंट टर्मिनल के पास रखकर पेमेंट कर सकते हैं।
- सुरक्षा : गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं, जैसे कि टोकनाइजेशन और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।

पेमेंट एप के लाभ

- सुविधाः गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की सुविधा प्रदान करता है।
- सुरक्षाः गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।
- गतिः गूगल पे पेमेंट प्रक्रिया को तेज और आसान बनाता है।
- व्यापक स्वीकृतिः गूगल पे को कई ऑनलाइन और ऑफलाइन मर्चेंट्स द्वारा स्वीकार किया जाता है।
- गूगल पे एक सुविधाजनक और सुरक्षित डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

खबर संक्षेप

बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए लगाए पेड़:राज अरोड़ा

रोहतक। आने वाली पीढ़ी और वर्तमान मनुष्य प्रजाति को बचाने के लिए खाली भूमि पर अधिक से अधिक आम जन को पेड़ लगाने चाहिए ताकि बच्चों और पर्यावरण को सुरक्षित किया जा सके। यह विचार इनर व्हील क्लब आफ रोहतक सिटी की प्रधान राज अरोड़ा ने ओमेक्स सिटी में क्लब की महिला सदस्यों के साथ पौधरोपण करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में पर्यावरण का अहम योगदान है, जिससे हमें शुद्ध ऑक्सीजन तो मिलती ही है साथ ही खाने पीने के लिए फल और सब्जियां भी उपलब्ध होती हैं। जिस तरह जल के बिना जीवन संभव नहीं है इस तरह पर्यावरण के बिना मनुष्य प्रजाति नष्ट है। इस पौधरोपण मुहिम के तहत क्लब की सदस्यों ने प्रण लिया कि वह हर महीने की 10 तारीख को पौधे लगाएंगे।

दोनों प्रतिनिधियों को 14 जुलाई को जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से दी जाएगी जानकारी

कमिश्नर ने रद किए डीसी के आदेश, जिप सदस्य सीमा और दीपिका पद के लिए फिर से हुई योग्य

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

चुनाव खर्च का ब्यौरा न देने पर डीसी ने जिला परिषद सदस्य सीमा और दीपिका को पिछले दिनों पद के लिए अयोग्य करार दिया था। निलंबन के बाद दोनों ने कमिश्नर को अपील की। आयुक्त ने अपील को स्वीकारा। सदस्यों ने चुनाव खर्च की जानकारी कमिश्नर को दी तो उन्होंने डीसी के आदेश को रद कर दिया। न केवल इन दोनों के आदेश कैंसिल किए गए हैं, बल्कि इनके अलावा दो और उम्मीदवारों के ऑर्डर रद किए गए हैं। इन पर भी डीसी ने पांच साल के लिए चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाया था। मालूम हो रहे कि जिला परिषद वार्ड एक का प्रतिनिधित्व अमित कुमार, दो का पूजा रानी, तीन का मांगेराम, चार का अनिल कुमार, पांच का मंजू, छह का सतपाल, 7 का सीमा, आठ का धीरज मलिक, नौ का नीलम, दस का जयदेव दादू, ग्यारह का दीपिका,बारह का सुमन, तेरह का सतीश तथा वार्ड नंबर 14 का सोनू करते हैं।

51 पर लगाया था प्रतिबंध: ध्यान हो कि मई के पहले सप्ताह में डीसी ने सीमा और दीपिका के अलावा जिला परिषद का चुनाव लड़ने वाले 51 उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई की थी। क्योंकि इन सभी ने इलेक्शन खर्च की जानकारी चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद अढ़ाई साल तक भी नहीं दी थी। इन पर मई 2030 तक चुनाव लड़ने पर जिला नंर्विाचन अधिकारी (पंचायत)ने प्रतिबंध लगाया था। अगर इन पर रोक लगी रहती तो ये साल 2027 में होने वाला आम चुनाव नहीं लड़ सकते थे। बताया जा रहा है कि 51 में से बाकि बचे 47 उम्मीदवारों ने अभी तक भी अपने चुनाव खर्च का विवरण डीसी को नहीं दिया है। इनकी अपील का समय अब बीत चुका है। सभी के अगले पांच साल तक इलेक्शन लड़ने पर प्रतिबंध लगा रहेगा।

चुनाव में व्यस्त होने के कारण नहीं सौंप पाए खर्च रजिस्टर

चुनाव में ज्यादा व्यस्त होने के कारण हम इलेक्शन खर्च का रजिस्टर जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को नहीं दे पाए। जिसकी वजह से डीसी ने मुझे अयोग्य करार दिया था। मैंने डीसी के निर्णय को आयुक्त के समक्ष चुनौती दी। खर्च का पूरा विवरण कमिश्नर दिया। इसके बाद डीसी के आदेश को आयुक्त ने रद कर दिया था। -**सीमा** जिप सदस्य

अगले सप्ताह मिल सकती है हमें अधिकारिक जानकारी

कमिश्नर के आदेश हमें अभी तक प्राप्त नहीं हुए है। जब ऑर्डर मिलेंगे तो इस बारे में अवगत करा दिया जाएगा। मुझे उम्मीद है कि अगले सप्ताह में हमें प्रशासन की तरफ से अधिकारिक जानकारी दे दी जाएगी।

-**दीपिका**, जिला परिषद सदस्य

सदस्यों को अघोषित करना था बड़ा मामला

सीमा और दीपिका को अयोग्य घोषित करना बड़ा मामला था। क्योंकि वे जिला परिषद की इस समय सदस्य थी। बाकि जिन प्रत्याशियों को अपात्र करार दिया गया था, उन पर कोई फर्क नहीं पड़ता। वे केवल 2027 का आम चुनाव ही नहीं लड़ सकते थे। जबकि सीमा और दीपिका की सदस्यता भी खत्म हो सकती थी। अयोग्य करार देने के बाद दोनों ने रोहतक के आयुक्त को डीसी के फैसले को चुनौती देते हुए अपील की। डीसी के फैसले को जिला स्तर पर केवल आयुक्त ही रद कर सकता है। ऐसी व्यवस्था पंचायती राज अधिनियम में की गई है। अगर आयुक्त भी राहत नहीं देता तो ये फिर चंडीगढ़ स्तर के अधिकारियों को ही अपील कर सकती थी।

लापरवाही बरते हैं उम्मीदवार

चुनाव आम हो या उप चुनाव। प्रत्येक इलेक्शन में प्रत्याशी को अपने चुनाव खर्च की जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत को देनी होती है। इसके लिए बकायदा प्रशासन की तरफ से नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। बावजूद इसके उम्मीदवार खर्च को लेकर अपनी ड्यूटी सही तरह से नहीं निभाते। कई बार ऐसा भी होता है कि चुनाव प्रचार के दौरान प्रत्याशी इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे खर्चा रजिस्टर जमा नहीं करवा पाते। ऐसे में प्रत्याशियों को रजिस्टर जमा करवाने का समय दिया जाता है। अगर इस दौरान भी ये गफलत बरतते हैं तो फिर उनके खिलाफ पंचायती राज अधिनियम के तहत कार्रवाई डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) अमल में लाते हैं।

पठानिया स्कूल में गृहकार्य प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इस तरह की गतिविधियां छात्रों के समग्र विकास के लिए महत्त्वपूर्ण

विद्यालय निदेशक अंशुल पठानिया ने कहा हम मानते हैं कि इस तरह की गतिविधियां छात्रों के समग्र विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह छात्रों को एक-दूसरे के काम से सीखने व प्रेरित होने का अवसर भी प्रदान करती है। स्कूल को-फाउंडर वर्षा पठानिया व प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा एव सुनीता मोर ने सभी विद्यार्थियों की इस सफल आयोजन के लिए सराहना की। कला विभाग के विद्यार्थियों व सभी शिक्षकों की प्रदर्शनी के सफल आयोजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

पठानिया पब्लिक स्कूल में शनिवार को विविधता में एकता का संदेश देती ग्रीष्मावकाश गृहकार्य प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कक्षा प्री-नर्सरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के लिए इस बार 'भारतीय संस्कृति को जानो' थीम प्रदेशानुसार मॉडल, चार्ट, वॉल हैंगिंग, मॉडल (वर्किंग, नान-वर्किंग), मंदिरों की कलाकृतियां व सभी राज्यों के प्रमुख पर्यटक व ऐतिहासिक आकर्षणों पर मॉडल जैसी परियोजनाएं गर्मियों की छुट्टियों में गृहकार्य के रूप में दी गई थी।

विद्यार्थियों ने शिक्षकों की सहायता से सभी विषयों के गृहकार्य का संयोजन कर अपनी कलात्मक व सृजनात्मक प्रतिभाओं को दर्शाते हुए सभी क्लास रूम को भारत के विभिन्न राज्यों का रूप प्रदान किया। प्रातः कालीन बेला में मां भारती की वंदना व दीप प्रज्जवलन के साथ ही विद्यालय परिसर में सर्वप्रथम प्रवेश करने वाले कक्षा सीनियर केजी लिली से आरव एवं कक्षा चैथी लोट्स से आवान्या के अभिभावक स्वाति एवं डॉ. अंकित केषरवानी जो कि आज की गृहकार्य प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि द्वारा प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया।विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार को एयरपोर्ट का रूप दिया गया। सभी अभिभावकगण को एक पासपोर्ट वितरित किया गया, जिसमें विद्यालय की सभी कक्षाओं व समूहों के नाम अंकित थे। पूरी प्रदर्शनी का अवलोकन करने वाले अभिभावकों के लिए एक लक्की ड्रा की व्यवस्था भी गई थी।

स्कूल के मुख्य मंच पर भारतीय संस्कृति की सतरंगी आभा बिखरी नजर आ रही थी। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे-नृत्य, गायन-वादन, जिम्नास्टिक, योगा इत्यादि की प्रस्तुति दी गई। कला प्रर्दशनी में मेंहदी, टैटू, पोस्टर, मंडेला आर्ट, टाई एण्ड डाई, नेल आर्ट, रेजिन आर्ट, पोट डैकोरेशन, स्केच, लाइव कैनवस, रोबोटिक्स लैब में ऐक्सिडेंट प्रिवेंशन, मल्टी एक्टिविटी हयूमेनॉइड रोबोट का प्रदर्शन किया गया। सभी गतिविधियों का अवलोकन कर अभिभावकगण ने भरपूर आनंद लिया।

महम। पीटीएम में भाग लेते आर्य स्कूल मदीना के अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आर्य स्कूल मदीना में हुई अभिभावक-शिक्षक मीटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

आर्य स्कूल मदीना में अभिभावक शिक्षक मीटिंग आयोजित हुई। इस दौरान अभिभावकों और शिक्षकों के बीच चर्चा हुई। मीटिंग में बच्चों के शैक्षिक और व्यावहारिक विकास पर विशेष जोर दिया गया।

पाठ्यक्रम वितरित किया

इस दौरान बच्चों को इकाई परीक्षा दो का पाठ्यक्रम वितरित किया गया और उनके व्यावहारिक आंकड़ों पर विस्तार से चर्चा की गई। अभिभावकों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए और बच्चों के विकास के लिए शिक्षकों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और अनुशासन का भी विशेष महत्व है। सभा में उपस्थित सभी अभिभावकों और शिक्षकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इसी तरह के आयोजनों के माध्यम से बच्चों के विकास के लिए काम करने का आश्वासन दिया।

शिविर में 68 नागरिकों ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

- आरपी एजुकेशन सोसाइटी ने स्वर्गीय चंद्रस्वरूप की पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आरपी एजुकेशन सोसाइटी ने स्वर्गीय चंद्रस्वरूप की पुण्यतिथि के अवसर पर 84वां स्वैच्छिक रक्तदान उत्सव का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमे 68 रक्तदाताओं ने बड़े उत्साह के साथ रक्तदान किया।

यह रक्तदान उत्सव आरपी एजुकेशन सोसाइटी, आईएसबीटीआई, क्रॉस एंड क्लाइब अकेडमी, सेंटर फॉर सोशल एंड एजुकेशनल रिसर्च, श्रीसाईं वेलफेयर सोसाइटी, सहयोग, स्लीपवेल कलेक्शन व रेड क्रॉस सोसायटी रोहतक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह (पौधा) व प्रमाण पत्र सम्मानपूर्वक दिया गया, ताकि प्रत्येक व्यक्ति समय पर रेगुलर रक्तदान करता रहे और पर्यावरण के प्रति भी अपनी सजगता जाहिर करता रहे। रक्तदान उत्सव के मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह रहे। उन्होंने रक्त दाताओं का हौसला बैज लगाकर बढ़ाया। बतौर विशिष्ट अतिथि सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र आर्य ने रक्त दाताओं का हौसला बैज लगाकर व प्रमाण पत्र स्मृति स्वरूप भेंट देकर बढ़ाया। इस अवसर पर श्रीभगवान ने 56वीं बार, डॉक्टर सतीश कुंडू ने 50 वीं बार, सुशिल कुंडू ने 40 वीं बार, नीरज दहिया ने 36 वीं बार, सुनील तोमर ने 28 वीं बार, जसबीर ने 23वीं बार रक्तदान का आनंद लिया। उत्सव का मुख्य आकर्षण चार पति-पत्नी की जोड़ी ने रक्तदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जो कि अपने आप में सराहनीय व अनुकरणीय है। रविन्द्र खत्री, विशाल सिवाच, डॉ अलका, पवन, चिराग, परवीन कुमार, अनिल आदि ने भी रक्तदान किया।

एचडी स्कूल में कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एचडी पब्लिक स्कूल बहुअकबरपुर में स्कूल निदेशक सुरेन्द्र फौगाट की अध्यक्षता, एकेडमिक डायरेक्टर कृष्णा बल्हारा फौगाट के निर्देशन में शनिवार को शिक्षकों के लिए एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति की विशेषताओं, उद्देश्यों एवं इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान करना था।

कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन प्रवीन राणा ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने शिक्षकों को एनईपी 2020 के तहत लचीलापन, समग्र विकास, मूलभूत साक्षरता, कौशल शिक्षा, और मूल्य आधारित शिक्षा जैसे प्रमुख विषयों पर गहन जानकारी दी। उन्होंने शिक्षकों के साथ संवादात्मक सत्र के माध्यम से नई नीति को विद्यालय स्तर पर लागू करने के उपाय भी साझा किए। सीबीपी इंचार्च प्रीति तक्षक ने बताया कि आज सभी अध्यापकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को ध्यानपूर्वक समझकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। विद्यालय के डायरेक्टर सुरेंद्र फौगाट, अकादमिक डायरेक्टर कृष्णा बल्हारा फौगाट तथा प्राचार्य दुलाल देब ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें नई शिक्षा नीति के अनुरूप अपने शिक्षण कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह कार्यक्रम निश्चित रूप से शिक्षकों के व्यावसायिक विकास की दिशा में एक सार्थक प्रयास सिद्ध होगा।

एचडी स्कूल खेड़ी महम में अभिभावक शिक्षक मीटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

एचडी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल खेडी महम में अभिभावक -अध्यापक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने बताया कि इस संगोष्ठी में छात्र-अभिभावकों ने काफी बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल निदेशक कुलवंत नहरा ने बताया कि इन आयोजनों से छात्र अभिभावकों को बच्चों की कलात्मकता व गुणवत्ता का बोध होता है तथा बच्चे समय का समायोजन कर अपने अच्छे भविष्य की आधारशिला रखते हैं। इस मौके पर स्कूल सचिव संजीव छिल्लर, उपप्राचार्या इंदु नहरा समेत समस्त स्टाफ, शिक्षक और अभिभावक मौजूद थे।

सूचना

मैं, दर्शना कदम पत्नी श्री कदम अठवाल निवासी सिनेमा कालोनी, कलानौर कलां, तहसील कलानौर, जिला रोहतक बयान करती हूं कि मेरा पुत्र संजय व पुत्रवधु निशा मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

मैं, पूनम पत्नी स्व. हवा सिंह निवासी गांव किशनगढ़, तहसील महम, जिला रोहतक बयान करती हूं कि मेरे पुत्र सुमित व पुत्रवधु सन्जना और दूसरा पुत्र सचिन व पुत्रवधु उपासना मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

व्यक्तिगत जीत महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि अपनी टीम के साथ लक्ष्य तक पहुंचाना ही वास्तविक लक्ष्य: दांगी

- मदीना डाइट द्वारा प्राचार्यों को दी जा रही ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते विभिन्न सरकारी विद्यालयों के प्रिंसिपल।

मदीना डाइट द्वारा स्कूल प्राचार्यों को ट्रेनिंग देने के लिए 14 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू किया गया है। शनिवार को डॉ. डाइट में अंग्रेजी के प्रवक्ता मनजीत दांगी ने नव पदोन्नत प्राचार्यों के लिए दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे दिन के सत्र का शुभारंभ किया।

नवनियुक्त प्रधानाचार्यों को यह संदेश दिया गया कि व्यक्तिगत जीत महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि अपनी पूरी टीम के साथ लक्ष्य तक पहुंचाना ही वास्तविक लक्ष्य है। डॉ. दांगी ने कहा कि विद्यालय शिक्षा के केंद्र होते हैं। यह सामाजिक स्थान है जहां जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के बच्चे एक साथ सीखने के लिए आते हैं। अधिकांश समय बच्चे स्कूल आकर खुश नहीं होते हैं। जब पहली सुबह की घंटी की बजाय आखिरी घंटी बजती है तो बच्चे ज्यादा खुश होते हैं। हम महसूस करते हैं कि बच्चे स्कूल आने में खुश नहीं हो सकते हैं क्योंकि पाठ्यक्रम उनके संदर्भों से संबंधित नहीं है और न ही यह उनकी जरूरतों और रूचियों को पूरा करता है। डॉ. मनजीत दांगी ने कहा कि शिक्षा को बच्चों को प्रासंगिक कौशल से लैस करना चाहिए जो उन्हें समाज में रहने में सक्षम बनाएगा। इसलिए शिक्षकों को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को इस तरह से समृद्ध करने की आवश्यकता है कि यह बच्चों को खुद पर विश्वास करने, सकारात्मक आत्म अवधारणा रखने और बदलते समाज में कुशलता से जीने में सक्षम बनाए। उन्होंने कहा कि एक स्कूल प्रमुख के रूप में रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए स्कूलों और कक्षाओं के भीतर जगह बनानी चाहिए ताकि शिक्षा के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ सुमन लता, कुलवीर, डॉ. राजीव, डॉ. रोमी तथा इला धमीजा मौजूद रहे।

दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा : डॉ. कृष्णकांत

एक पेड़ दिव्यांग के नाम अभियान के अंतर्गत कुलसचिव ने लगाया पौधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में शनिवार को दिव्यांगजनों के सम्मान में हरियाली बढ़ाने की पहल को आगे बढ़ाते हुए एक पेड़ दिव्यांग के नाम अभियान के तहत कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने गुलमोहर का पौधा लगाया। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनके योगदान को नमन करने का यह अभिनव तरीका न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि प्रकृति संरक्षण का संदेश भी देता है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से युवाओं को पर्यावरण और सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक बनाना भी है। जब हम किसी दिव्यांग के नाम एक पेड़ लगाते हैं, तो यह केवल हरियाली नहीं फैलाता, बल्कि समाज में संवेदना और समानता की भावना भी पैदा करता है, ऐसा उनका कहना था। डायरेक्टर, कैंपस फॉरेस्ट्री एंड प्लांटेशन ड्राइव प्रो. सुरेंद्र सिंह यादव तथा निदेशक, हार्टिकल्चर प्रो. दीपक कौशिक ने इस कार्यक्रम का समन्वयन एवं संचालन किया।

प्रो. सुरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि एक पेड़ दिव्यांग के नाम पौधरोपण अभियान पूरे जोश एवं उत्साह से जारी है। इस अवसर पर बॉटनी विभाग के प्राध्यापक डॉ. आशा शर्मा, डॉ. सुंदर सिंह आर्य, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान अनिल मल्होत्रा, महासचिव अजमेर सिंह, पीआरओ पंकज नैन, हार्टिकल्चर कंसल्टेंट निरंजन कुमार, बलजीत कुमार, नरेंद्र शीलक, राजकुमार, गौरव दूरेजा, सुनील सुतवाल समेत अन्य कर्मियों, बॉटनी विभाग के शोधार्थियों तथा बागवानी विभाग के कर्मियों ने भी पौधा लगाया और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली।

पेशाब
की समस्याओं का स्थाई इलाज

- बार-बार पेशाब आना व जलन होना।
- पेशाब की कमजोर धार या रुक-रुक कर आना।
- गुर्दे व नलकी की पथरी से पेशाब में समस्या।
- गदूद/प्रोस्टेट के ऑप्रेशन से पहले अवश्य सम्पर्क करें व ऑप्रेशन से बचें।

डॉ. एम.एस.पूनियाँ
(B.H.M.S., D.N.H.E.) Jaipur
35 वर्षों का अनुभव

परामर्श नि:शुल्क
(Free OPD)

समय : सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक
मंगलवार व शुक्रवार को अवकाश रहेगा

कृपया आने से पहले अपना रजिस्ट्रेशन करवा दें:
85709-15000

अशोका होम्योपैथिक हॉस्पिटल
Near Bus Stand, Gali No. 3,
Rishi Nagar, Hisar

खबर संक्षेप

क्लब ने बच्चों को कराया भोजन

रोहतक। सामाजिक कार्य करने वाले इनर व्हील क्लब की ओर से शनिवार को जन सेवा संस्थान के सभी 450 बच्चों को दोपहर का भोजन करवाया गया। इस मौके पर क्लब की अध्यक्ष राज अरोड़ा, पूर्व अध्यक्ष सुषमा बत्रा, सीमा छाबड़ा, सोहेल अरोड़ा उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद को भोजन करवाना एक पुण्य का कार्य है जिससे करने वाले और करवाने वाले की आत्मा तृप्त होती है।

जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने युवक पर हुए चाकू से जानलेवा हमले की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। सदर थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि गांव मकडौली निवासी नवीन की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि नवीन के भांजे मोहित ने मकड़ौली टोल के पास चाय का खोखा खोला हुआ है। 26 मई को नवीन को सूचना मिली की तीन युवकों ने मिलकर मोहित को चाकू मारे है, जिसे ईलाज के अस्पताल ले जाया गया है। जांच के दौरान 10 जुलाई को आरोपी साहिल निवासी सोनीपत को गिरफ्तार किया गया।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सुबह पांच बजे की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

भोर पड़ते ही किला रोड पर चला पीला पंजा, दुकानदार घर में सोये थे नगर निगम ने ढहा दिए दुकान के छज्जे

- निगम आयुक्त बोले, एक माह से दे रहे थे बार-बार बातचीत का समय, नहीं माने तो की कार्रवाई
- मॉडल मार्केट के तहत किला रोड का सौन्दर्यीकरण और बाजारों से भी हटेगा अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

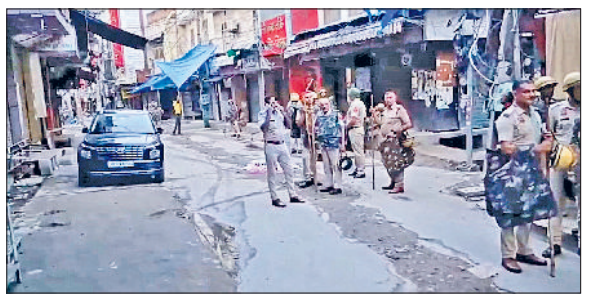

नगर निगम ने शनिवार की सुबह किला रोड पर बड़ी कार्रवाई की। सुबह पांच बजे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे अधिकारियों की टीम द्वारा जेसीबी से सभी दुकानों से छज्जे ढहा दिए गए। करीब दो घंटे तक कार्रवाई की गई। इस दौरान छज्जे टूटने से दुकानदार नाराज नजर आए और इसे जल्दबाजी का फैसला बताया। निगम आयुक्त डॉ आनंद शर्मा ने स्पष्ट कहा कि किला रोड को मॉडल मार्केट के तहत सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। इसके लिए नोटिस दिए गए थे और एक माह तक बातचीत की गई। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

नगर निगम की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और दुकानों के आगे से छज्जे हटाने के लिए अभियान शुरू किया। इस दौरान दुकानदार मौके पर पहुंचने लगे और विरोध जताने लगे। हालांकि पुलिस की मौजूदगी में वह विरोध नहीं कर पाए। अधिकारी दुकानदारों को समझाते रहे कि मॉडल मार्केट बनाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। क्योंकि यहां बिजली के खम्बे लगाने में दिक्कतें आ रही थी और अधिकारी एक माह से चक्कर पर चक्कर लगा रहे थे।

दोनों तरफ बनेगा नाला

नगर निगम द्वारा किला रोड के सौन्दर्यीकरण का कार्य लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इसके तहत सड़क के दोनों साईड का नाला बनाया जाना है जिसका कार्य प्रगति पर है तथा सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। शहर में मॉडल मार्केट तैयार की जाएगी व सौन्दर्यीकरण का कार्य लगभग 40 से 45 दिन में करवाने के लिए प्रयासरत रहेंगें।

इन बाजारों में चलेगा अभियान

शुरुआत किला रोड से की गई है। यहां मॉडल मार्केट बनाने के बाद रेलवे रोड, प्रताप चौक, पुराना बस अड्डा, भिवानी स्टैंड, रेलवे रोड, शौरी मार्केट, झज्जर रोड, गांधी और डी पार्क आदि जगहों पर भी अतिक्रमण हटाया जाएगा। पहले नोटिस दिए जाएंगे, दुकानदार नहीं माने तो कार्रवाई की जाएगी। धीरे धीरे सभी बाजारों को मॉडल मार्केट के तौर पर तैयार किया जाएगा।

लोगों ने कार्रवाई को सराहा

नगर निगम की कार्रवाई से भले ही दुकानदारों में हड़कम्प मचा हुआ है। लेकिन अधिकारी लोग इस कार्रवाई को जायज बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि हर बाजार से अतिक्रमण हटना चाहिए और मार्केट को मॉडल बनाना चाहिए।

1.50 करोड़ आएगी प्रोजेक्ट पर लागत, हुआ टेंडर

नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि निगम द्वारा किला रोड मार्केट को मॉडल मार्केट के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश थे कि एक मॉडल मार्केट बनाई जाए और इस कार्य के लिए किला रोड मार्केट को पहले ही चिन्हित किया जा चुका था। इस कार्य की ई-निविदा भी की जा चुकी थी। इस कार्य को करने के लिए पूर्व में स्वयं व अधिकारियों द्वारा भी निरीक्षण किया गया था। जिस दौरान बिजली निगम के अधिकारियों से भी बात की गई थी। जिन्होंने बताया था कि पोल शिफ्ट करने के लिए अतिक्रमण हटवाना जाना अतिआवश्यक है और इसस उपरांत किला रोड पर अतिक्रमण हटवाने का कार्य किया गया है।

शहर के चौराहों का भी होगा सौंदर्यीकरण

निगम आयुक्त डॉ आनंद शर्मा ने बताया कि इसके अतिरिक्त नगर निगम द्वारा चौक-चौराहों का सौन्दर्यीकरण भी जल्द से जल्द करवाया जाएगा। कुछ स्थानों पर फव्वारों का संचालन नगर निगम द्वारा करवाया जा चुका है व अन्य स्थानो पर भी फव्वारों के संचालन का कार्य जल्द ही करवाया जाएगा।

किसी को परेशान करने के लिए नहीं किया कार्य

आयुक्त ने आमजन से अपील है कि नगर निगम व प्रशासन का सहयोग करें तथा अतिक्रमण न करें। यह कार्य किसी को परेशान करने के लिए नहीं किया जा रहा है नाला सफाई व सौन्दर्यीकरण के लिए ही अतिक्रमण हटवाया जा रहा है।

पोल लगाने के लिए हटाए छज्जे

दुकानदारों का नुकसान हुआ है, जिसका उन्हें भी दुख है, लेकिन बाजार को मॉडल मार्केट बनाने के लिए यह करना जरूरी था। बिजली निगम के अधिकारी बाजार के चक्कर लगा रहे थे। पोल लगाने के लिए छज्जे हटाने जरूरी हो गए थे। इसलिए नगर निगम ने यह कार्रवाई की है।
-कपिल नागपाल, पार्षद

किला रोड मार्केट में प्रशासन द्वारा की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई ने बाजार की तस्वीर ही बदल गई। सरकार से मांग है कि सरकार इस नुकसान की भरपाई करे। स्थानीय व्यापारी और प्रशासन के बीच बातचीत जारी थी और व्यापारी वर्ग प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने के लिए तत्पर था। इसके बावजूद बिना किसी उचित सूचना और समन्वय के प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर दी।
-रमेश खुराना महासचिव, हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल

अल सुबह इस प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई की निंदा करते हैं। मैं इस चीज को भी नहीं नकारता कि बाजारों को व्यवस्थित करना जिला प्रशासन से पहले हमारा कर्तव्य बनता है। इसीलिए सरकारी अल्टीमेटम मिलने के पश्चात राजनीतिक लोगों के झूठे आश्वासन मिलने की बजाए अगर आप स्वयं इन छज्जों को छोटा करवाते तो शायद इतना नुकसान नहीं होता, भविष्य में ऐसी किसी भी कार्रवाई का सामना करने के लिए अपने व्यापारी भाइयों से यही अपील करता हूं कि राजनीतिक दलदल से बाहर निकल कर अपनी एकता को मजबूत करें।
-हेमन्त बख्शी, अध्यक्ष रोहतक ट्रेडर्स एसोसिएशन व सर्राफा एसोसिएशन

रोहतक की नैना का एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में चयन

रोहतक। रोहतक की खिलाड़ी नैना का एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में चयन हुआ है। जो 30 जुलाई से 12 अगस्त 2025 तक थाईलैंड के बैंकॉक शहर में आयोजित की जाएगी। बाक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 6 से 11 जुलाई तक पूणे में ट्रायल का आयोजन किया गया। जिसमे नैना ने गोल्ड मैडल जीतकर अपना स्थान पक्का कर लिया। नैना नै सेमिफाइनल में रेलवे की बॉक्सर तथा फाइनल मुकाबले में साई की बॉक्सर को इकतरफा हराकर बैंकाक का टिकट पक्का किया। अपनी इस उपलब्धी का श्रेय नैना ने अपने कोच सुधीर हुड्डा को दिया जिन्होंने पहले भी बॉक्सिंग में कई राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई बच्चों का भविष्य निर्माण किया है।

जिंदा रहना है तो पेड़ लगाएः विजय

रोहतक। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह से गर्मी के मौसम में तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और लोगों का जीना मुहाल हो गया है उससे राहत पाने के लिए आमजन को अधिक से अधिक अपने आसपास खाली भूमि पर पेड़ लगाने होंगे तभी तापमान में गिरावट संभव है। यह विचार इनर व्हील रोहतक की सक्रिय महिला पदाधिकारी विजय बल्हारा ने गुरुद्वारा मॉडल टाउन के सामने खाली भूमि पर पौधरोपण करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अगर मनुष्य को जिंदा रहना है तो वह अपने जीवन में एक पेड़ अपने माता-पिता या अपने बुजुर्गों के नाम लगाएं और पेड़ लगाने के साथ-साथ उसकी परवरिश का भी जिम्मा ले ताकि वह पेड़ विराट रूप धारण कर सके। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह भू माफिया जंगलों को काटकर बिल्डिंग खड़ी कर रहे हैं उससे कहीं ना कहीं आमजन पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है जो सीधे तौर पर तापमान में बढ़ोतरी कर प्रचंड गर्मी को आमंत्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार का भी नैतिक दायित्व बनता है कि वह भू माफिया पर लगाम लगाकर जंगलों के अस्तित्व को बचाएं। पौधरोपण कि इस मुहिम में विजय बल्हारा के साथ इनर वहील क्लब की अध्यक्ष कमलेश मलिक, सदस्य मंजू बिंदल, निरुपमा टुटेजा, डॉ. सुनीता मल्होत्रा, शिक्षा विद सोनिया मलिक मौजूद रही।

इंडस पब्लिक स्कूल में अध्यापक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन

रोहतक। इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को अध्यापक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में कक्षा तीसरी से बारहवीं तक के अभिभावकों ने विद्यार्थियों के यूनिट टेस्ट-1 के अंकों को अंकन किया। सभी अभिभावकों ने कक्षा अध्यापकों व विषय अध्यापकों से मिलकर अपने बच्चों की विस्तृत जानकारी ली। सभी अध्यापकों ने भी अभिभावकों को यूनिट टेस्ट-2 पाठ्यक्रम की संपूर्ण जानकारी दी। दोनों ने अपने अवरोधों को दूर किया। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने कहा कि अध्यापक व अभिभावकों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान होना अत्यंत आवश्यक है चूंकि माता-पिता और शिक्षकों का एक ही लक्ष्य होता है बच्चे की सफलता। माता-पिता, शिक्षक और विद्यार्थी के तालमेल से ही स्कूली प्रक्रिया समृद्ध व प्रभावी बनती है। प्रधानाचार्य दीपक कुमार वशिष्ठ ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं। उनका सहयोग बच्चे की पढ़ाई और विकास को प्रभावित करता है। अभिभावक शिक्षक बैठक स्कूली शिक्षा का एक महत्वपूर्ण घटक है जो छात्रों के शैक्षिणक और सामाजिक विकास में मदद करता है। इससे शिक्षक छात्रों की आवश्यकताओं और चुनौतियों को बेहतर ढग से समझ पाते हैं।

मॉडल यूनाइटेड नेशन सम्मेलन में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

- सम्मेलन में देश-विदेश के छात्रों ने की शिरकत, आज होगा समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

विद्याश्री इंटरनेशनल स्कूल की ओर से शनिवार को दो दिवसीय एक भव्य और प्रभावशाली मॉडल यूनाइटेड नेशन सम्मेलन का आयोजन शुरू किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा नेता हिमांशु ग्रोवर और उनकी पत्नी सौम्या गोवर द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बधवार मोस्ट्स के संचालक अमित बधवार और उनकी पत्नी सरुचि बधवार उपस्थित थे।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम दुनियाभर के विभिन्न देशों के राजनीतिक परिदृश्यों की झलक और समझ प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जिसका समापन 13 जुलाई 2025 को होगा। इस कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के साथ-साथ दिल्ली, कनाडा और लंदन के कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी भाग लिया, जिसमें लगभग 200 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों को वैश्विक मुद्दों के प्रति जागरूक बनाना, बहस एवं संवाद कौशल विकसित करना और समस्याओं के समाधान हेतु सोचने की क्षमता प्रदान करना है। विद्यालय के चेयरपर्सन डॉ. विकास सिवाच और प्राचार्या ऋषु सिवाच के मार्गदर्शन में छात्रों ने इस कार्यक्रम को अत्यंत उत्साह और सफलता के साथ आगे बढ़ाया है।

विकल्प पब्लिक स्कूल में ग्रीष्मावकाश में किए गए गृह कार्य की लगाई प्रदर्शनी

रोहतक। विकल्प पब्लिक स्कूल में मंगलवार को ग्रीष्मावकाश में किए गए गृह कार्य की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा किए गए कार्य को सराहना व उन्हें अभिप्रेरित करना था। इस प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि स्कूल प्रबंधन कमेटी के निदेशक सुखबीर सिंह रहे। निदेशक सहित प्राचार्य किरन खुराना व कोर्डिनेटर मंजू ने बच्चों द्वारा बनाए गए तरह-तरह के चार्ट, माडल व आर्ट एंड क्राफ्ट आईटमस का निरीक्षण किया। बच्चों द्वारा बनाये गए आइटम्स के बारे में उन्हें बताया। उपस्थित गण द्वारा बच्चों द्वारा बनाई इन कला कृतियों को बेहद सराहा भी गया। स्कूल प्रबंधन ने इस अवसर पर सभी अभिभावको का भी धन्यवाद किया। जिन्होंने ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चो के गृह कार्य में उनकी सहायता की। इसके बाद सभी कक्षा के विद्यार्थियों ने अपनी कक्षा अध्यापिकाओं के साथ गृह कार्य प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

संस्कार वैली पब्लिक स्कूल पटवापुर में इंवेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन

रोहतक। संस्कार वैली पब्लिक स्कूल पटवापुर रोहतक में नवगठित छात्र परिषद् के लिए इंवेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। यह समारोह छात्रों में नेतृत्व, जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस विशेष अवसर पर हेड बॉय, हेड गर्ल, बॉय, गर्ल हाउस कैप्टन और हाउस वाइस कैप्टन को औपचारिक रूप से उनके पदों की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सभी चयनित पदाधिकारियों को दीपांशु रूहिल, साया रूहिल व उप-प्रधानाचार्या कविता गिल ने बैज एवं स्ट्रिप्स पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान छात्र नेताओं ने अपने दायित्वों को ईमानदारी और निष्ठा से निभाने की शपथ ली। समारोह का संचालन अनुशासन में व्यवस्था में स्काउट एंड गाइड्स वॉलिंटियर्स ने अपनी सेवा भावना का योगदान दिया। विद्यालय संचालक सुभाष रूहिल ने अपने प्रेरणादायक भाषण में छात्रों को नेतृत्व के मूल्यों को समझाने और स्कूल के अनुशासन को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। सच्चा नेता वही होता है जो उदाहरण बनकर दूसरों को मार्ग दिखाए। विद्यालय प्रबंधक सुभाष रुहिल व निर्देशिका यशवंती रूहिल ने हेड बॉय अभिषेक हेड गर्ल गरिमा, बॉय हिमांशु ढाका, गर्ल तनवी को स्ट्रिप व बैज से अलंकृत किया।

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में हुई अभिभावक-शिक्षक बैठक

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक एवं हॉलिडे होमवर्क प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान तैयार किए गए प्रोजेक्ट्स और रचनात्मक कार्यों का सुंदर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में छात्रों ने विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कला, पर्यावरण तथा भाषा से संबंधित विषयों पर आधारित गतिविधियां बड़े उत्साह के साथ प्रस्तुत कीं। प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं प्रस्तुति क्षमता को बढ़ावा देना था। विद्यालय के प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। बच्चों ने जिस लगन और उत्साह से अपने प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए हैं, वह प्रशंसनीय है। विद्यालय की निदेशक सुनीता अहलावत ने भी छात्रों की रचनात्मकता और प्रस्तुति

कौशल की सराहना करते हुए कहा, यह प्रदर्शनी छात्रों की मेहनत और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है। हम ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया और छात्रों की मेहनत की सराहना की। प्रबंधन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

छात्राओं ने कोर्ट का भ्रमण किया

रोहतक। खंड कलानौर स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने रोहतक में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में कोर्ट परिसर का भ्रमण किया। इस शैक्षणिक दौरे का उद्देश्य छात्राओं को कानूनी प्रक्रियाओं और न्याय प्रणाली की कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने एक विशेष पौधा वितरण अभियान के तहत छात्राओं और उपस्थित लोगों को पौधे वितरित किए। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया गया था। डॉ. तरन्नुम खान ने छात्राओं को लोक अदालत के महत्व और इसके माध्यम से मामलों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण निपटारे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को कानूनी जागरूकता के महत्व पर भी प्रकाश डाला और उन्हें भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की तरफ से प्रिंसिपल देवेंद्र कटारिया व अल्का मदान ने जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण का छात्राओं को यह महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करने और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आभार व्यक्त किया। मौके पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण रोहतक के डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसल राजबीर कश्यप एडवोकेट व संदीप कुमार एडवोकेट व विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ 2 करोड़ 99 लाख 76 हजार 826 रुपये का सेटेलमेंट

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन के मार्गदर्शन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान के सुपरविजन में रोहतक व महम कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में पांच बेंच बनाए गए जिनमें अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र सिंह की मुख्य बैंच रही। इसके अलावा प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास निचली अदालत, संगीता राय सचदेव, जुडिशल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास अमनदीप, जुडिशल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास रवि अमितोज व जुडिशल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास ममता की बेंच बनाई गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में 46187 मामलों की सुनवाई की गई। लोक अदालत में 35992 मुकदमों का मौके पर निपटारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में मुख्य रूप से बैंक से संबंधित केस लड़ाई झगड़ा बिजली बैंक में के सिविल मुकदमे व चालान से संबंधित मुकदमा को रखा गया था। इन सभी मामलों में कुल 29976826 रुपए का सेटलमेंट अमाउंट कोर्ट में मुक्त गया। लोक अदालत में पुलिस चालान से संबंधित 25764, चेक बाउंस से संबंधित 1518, शादी-विवाह से संबंधित 111, मोटर एक्सीडेंट से संबंधित 36, बिजली से संबंधित 976, बैंक रिकवरी से संबंधित 362 तथा राजस्व से संबंधित 6718 मामलों का निपटान किया गया।

द आर्यन पब्लिक स्कूल में हुई अध्यापक प्रशिक्षण कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

लाखन माजरा स्थित द आर्यन पब्लिक स्कूल में छात्रों के उज्ज्वल भविष्य एवं शैक्षिणक उत्थान के लिए समय-समय पर अध्यापकों के नियमित प्रशिक्षण की समृद्ध परम्परा रही है। इसी क्रम में विद्यालय में अध्यापक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण की विशेषज्ञ प्रवक्ता डॉ. निर्मल पोपली रही। कार्यशाला का विषय शिक्षा शास्त्र के उद्देश्य था। कार्यशाला में शिक्षण के विभिन्न उद्देश्यों तथा उन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रयोग की जाने वाली विभिन्न शिक्षण विधियों पर चर्चा की गई। जिसमें छात्रों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी पाठ योजना बनाने एवं अध्यापन की विभिन्न अत्याधुनिक बाल मनोविज्ञान पर आधारित विधियों तथा मूल्यांकन के आधार पर सुधारात्मक अध्यापन विधियों का प्रशिक्षण दिया गया। विशेष छात्रों के शिक्षण की आवश्यकताओं व बारिकियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में अध्यापकों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण भी दिया गया। बंधन कमेटी के प्रधान तेजेंद्र आर्य, प्रबंधक अनीता श्योराण एवं प्राचार्या निशा मोंगा द्वारा डॉ. निर्मल पोपली को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक , रविवार 13 जुलाई 2025

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

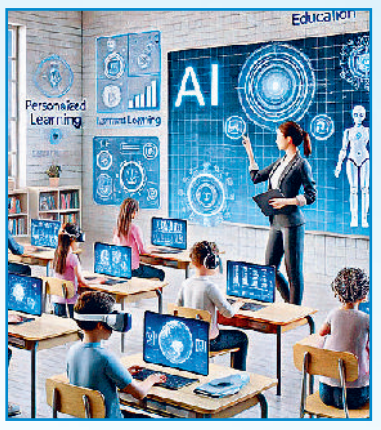

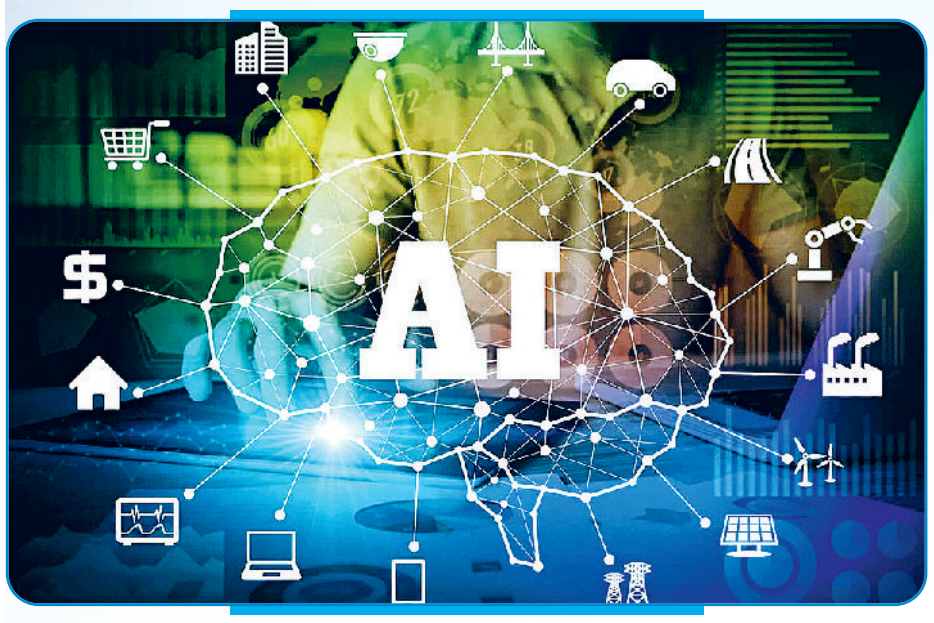

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

{ फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह }

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांचः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएसः अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएसः अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीयन स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशनः इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

{ गजल / अवतार सिंह अक्षरजीवी }

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग खिचकियाते बहुत हैं
ठाठकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

{ लघुकथा / गीता सिंह }

बांझिन का घर

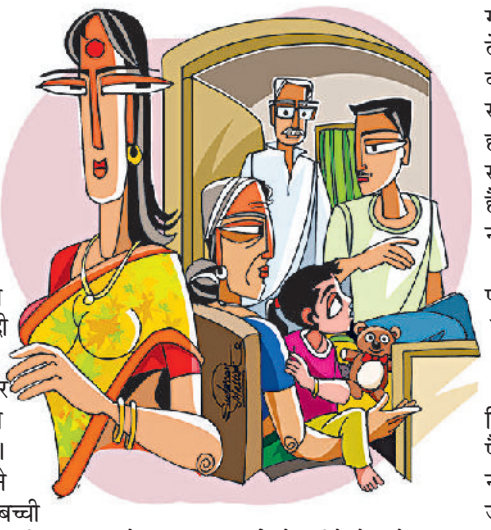

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

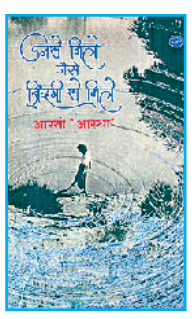

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तकः उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिकाः** आरती 'आस्था', **मूल्यः** 180 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

तीर्थयात्रा
डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

हर वर्ष सावन माह में बाबा अमरनाथ धाम में प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश भर से हजारों-लाखों श्रद्धालु अमरनाथ तीर्थयात्रा करते हैं। अत्यंत दुर्गम होने के बावजूद धार्मिक आस्था और पुण्य अर्जित करने की कामना से भक्तगण इस यात्रा में भरपूर उत्साह से सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा की विशिष्टता और महत्ता के बारे में जानिए।

आध्यात्मिक आनंद-अक्षय पुण्य प्रदान करती है अमरनाथ यात्रा

भारत वर्ष तीर्थों की पवित्र भूमि है। इस धरा पर ऐसा कोई प्रांत नहीं, जहां तीर्थस्थल न हों। ये तीर्थस्थल दीर्घकाल से आस्था एवं विश्वास के प्रमुख केंद्र रहे हैं। सनातन धर्मावलंबियों के लिए कश्मीर प्रांत में स्थित अमरनाथ नामक तीर्थस्थल का विशेष महत्व है। कल्हण की 'राजतरंगिणी' में इस तीर्थ को 'अमरेश्वर' कहा गया है। अमरनाथ हिंदी के दो शब्द 'अमर' अर्थात 'अनश्वर' और 'नाथ' अर्थात 'भगवान' को जोड़कर बनता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों- सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, वैद्यनाथ, त्रयंबकेश्वर, रामेश्वरम, नागेश्वर और घृष्णेश्वर के अतिरिक्त अमरनाथ का भी विशेष महत्व है। शिव के प्रमुख स्थलों में अमरनाथ अन्यतम है। इसीलिए अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसीलिए अमरेश्वर भी कहलाते हैं। श्रद्धालु अमरेश्वर को ही बाबा अमरनाथ और बर्फानी-बाबा भी कहते हैं। अमरनाथ तीर्थस्थल जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर के उत्तर-पूर्व में 141 किलोमीटर दूर समुद्र तल से 3,888 मीटर (12756 फुट) की ऊंचाई पर स्थित है। इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। 40 मीटर ऊंची अमरनाथ गुफा में पानी की बूंदों के जम जाने की वजह से ठोस बर्फ का एक अप्रतिम-दैवीय शिवलिंग निर्मित होता है।

पौराणिक मान्यता: एक पौराणिक गाथा के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को अमरत्व का रहस्य (जीवन और मृत्यु के रहस्य) बताने के लिए इसी गुफा को चुना था। कथा के अनुसार जब देवी पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को प्रकट करने के लिए कहा, तब यह रहस्य बताने के लिए भगवान शिव, पार्वती को हिमालय की इस गुफा में ले गए, ताकि उनका यह रहस्य कोई भी न सुन पाए और यहीं पर भगवान शिव ने देवी पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता: इतिहासकारों का मानना है कि अमरनाथ यात्रा, हजारों वर्षों से चली आ रही है। अमरनाथ-दर्शन का महत्त्व पुराणों में भी मिलता है। बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी आदि में इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। नीलमत पुराण में अमरेश्वर के बारे में दिए गए उल्लेख से पता चलता है कि इस तीर्थ के बारे में छठी-सातवीं शताब्दी में भी लोगों को जानकारी थी। स्वामी विवेकानंद ने 1898 में जब अमरनाथ गुफा की यात्रा की तो भावविभोर होकर कहा था, 'मुझे सचमुच लगा कि स्वयं शिव के दर्शन हो गए हैं। मैंने ऐसी सुंदर प्रतिमा कभी नहीं देखी और न ही किसी धार्मिक-स्थल की यात्रा का इतना आनंद आया।'

यात्रा के हैं दो मार्ग: अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के लिए सामान्यतः दो मार्ग हैं। प्रथम पहलगाम मार्ग और दूसरा सोनमर्ग-बालतल मार्ग। पहलगाम मार्ग अपेक्षाकृत सुविधाजनक है, जबकि बालतल मार्ग हालांकि अमरनाथ की गुफा से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह मार्ग अत्यंत दुर्गम है। सामान्यतः यात्री पहलगाम मार्ग से ही अमरनाथ यात्रा करते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की दूरी 45 किलोमीटर है। इस यात्रा मार्ग में चंदनबाड़ी, शेषनाग तथा पंचतरणी तीन प्रमुख रात्रि पड़ाव हैं। प्रथम पड़ाव चंदनबाड़ी है, जो पहलगाम से 12.8 किलोमीटर की दूरी पर है। तीर्थयात्री पहली रात यहीं पर बिताते हैं। दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई प्रारंभ होती है। चंदनबाड़ी से 13 किलोमीटर दूर शेषनाग में अगला पड़ाव होता है। यह चढ़ाई अत्यंत दुर्गम है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं। पूरी यात्रा में पिस्सू घाटी का मार्ग बहुत कठिन है। पिस्सू घाटी समुद्र तल से 11,120 फुट की ऊंचाई पर है। इसके पश्चात यात्री शेषनाग पहुंचते हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबाई में फैली हुई झील अत्यंत सुंदर है। तीर्थयात्री रात्रि में यहीं विश्राम करते हैं। तीसरे दिन यात्रा पुनः आरंभ होती है। इस यात्रा मार्ग में महागुणास दर्रे को पार करना पड़ता है। महागुणास से पंचतरणी का पूरा रास्ता ढलान-युक्त है। छोटी-छोटी पांच नदियों के बहने के कारण यह स्थान पंचतरणी नाम से प्रसिद्ध हुआ है। पंचतरणी से अमरनाथ की पवित्र गुफा 6 किलोमीटर की दूरी पर है। गुफा के समीप पहुंच कर पड़ाव डाल दिया जाता है तथा प्रातःकाल पूजन इत्यादि के पश्चात शिव के हिमलिंग के दर्शनोपरांत भक्तजन पुण्य लाभ के भागीदार बनते हैं।

प्राप्त होता है पुण्य लाभ: प्रतिवर्ष संपन्न होने वाली इस पुण्यदायिनी यात्रा से अनेक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि अमरनाथ दर्शन और पूजन से महापुण्य प्राप्त होता है। शास्त्रों में इंद्रिय निग्रह पर विशेष बल दिया गया है, जिससे मुक्ति की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि अमरनाथ यात्रा 'निग्रह' के बिना ही मुक्ति प्रदान करने वाली है, क्योंकि यात्राक्रम में आने वाली कठिनाइयों और गंतव्य-स्थल पर पहुंच कर होने वाले अनेकविध अनुभवों के कारण तीर्थयात्री को विविध प्रकार के सांसारिक कष्टों का बोध होता है। साथ ही शिव के हिमलिंग रूप के दर्शन से उसका हृदय इतना संयमित हो जाता है कि इंद्रिय-निग्रह किए बिना ही उसे मुक्ति प्राप्त होती है। भोलेनाथ भक्तों के समस्त भव रोगों और दुःखों का समूल नाश करते हैं।

श्रद्धा-सौहार्द भरी यात्रा: श्रावण मास में पवित्र हिमलिंग के दर्शनार्थ लाखों लोग भिन्न-भिन्न प्रदेशों से यहां आते हैं। अमरनाथ यात्रा से संबंधित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक तथ्य यह है कि यह यात्रा पारस्परिक सद्भाव के प्रचार-प्रसार का कार्य भी करती है। विभिन्न प्रांतों से शिव के दर्शनार्थ आने वाले भक्तों में परस्पर समभाव की भावना विकसित होती है। विभिन्न भाषा-भाषी लोगों में परस्पर वार्तालाप होता है, भाईचारे की भावना का विकास होता है और विभिन्न प्रांतों की भौगोलिक जानकारी का आदान-प्रदान होता है। अतः अमरनाथ तीर्थयात्रा को तीर्थाटन के अतिरिक्त श्रद्धा, ज्ञान एवं सौहार्द के समुच्चय के रूप में भी जाना जाता है। *

अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी पर्सनालिटी से इंप्रेस हो, हर कोई आपसे जुड़ना चाहे, आपकी हेल्प करने को तैयार रहे, तो इसके लिए आपको खुद में कुछ क्वालिटीज को डेवलप करना होगा। इस बारे में जानिए।

पर्सनालिटी बनेगी मैग्नेटिक
डेवलप करें ये क्वालिटीज

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

मनीष का सोशल सर्कल देखकर उसके कुछ रिश्तेदारों को बड़ी हैरानी हुई। उसकी बेटी की शादी थी तो उसकी पूरी सोसाइटी और ऑफिस के लोग उसकी मदद के लिए ऐसे तत्पर थे, मानो वह कोई बहुत बड़ी हस्ती हो। किसी को कहने भर की देर थी काम चुटकियों में हो रहा था। कुछ रिश्तेदारों को उसके इस रुतबे से बेहद खुशी हुई, तो कुछ को ईर्ष्या भी महसूस हुई। उसके चचेरे भाई ने जरूर उसकी पीठ ठोकते हुए कहा, 'भाई तूने अपनी अच्छी रेपुटेशन बना रखी है। बिल्कुल चुंबक है, चुंबक।' ऐसी चुंबकीय पर्सनालिटी का स्वामी बनना बहुत कठिन बात नहीं है। इसके लिए आपको बस कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दूसरों को स्पेशल फील कराएं: हर व्यक्ति स्वयं को महत्वपूर्ण मानता है और चाहता है कि दूसरे भी उसे मान सम्मान दें। यह स्वभाव सामान्य से लेकर अति विशिष्ट तक हर व्यक्ति का होता है। सब चाहते हैं कि उसकी सराहना की जाए और वह ऐसे ही व्यक्ति को पसंद करते हैं, जो उन्हें ऐसा महत्व देता है। इसलिए मानव व्यवहार की इस मूलभूत इच्छा को समझें और लोगों के साथ ऐसा ही आचरण करें। जाहिर है, वे भी आपके साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

सोशल नेटवर्क बढ़ाएं: हमारे जीवन में सामाजिक संबंधों का होना बेहद जरूरी है। ये प्रोफेशनल ही नहीं, पर्सनल लाइफ में भी बहुत सपोर्ट करते हैं। लोगों से मेल-जोल बढ़ाएं। उनके साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करें। महत्वपूर्ण अवसरों पर उन्हें निमंत्रण और उपहार दें। किसी के निमंत्रण पर वहां जरूर जाएं। अगर कोई मुसीबत में है और उसे आपकी जरूरत है तो उसकी यथासंभव मदद करें। आपका मृदु व्यवहार और मिलनसार स्वभाव न सिर्फ आपका सामाजिक दायरा बढ़ाता है, यह आपको उन ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद कर सकता है, जिनकी आप कामना करते हैं।

आभार और बधाई देना सीखें: सहयोग या मदद के बदले आभार प्रकट करने वाले और किसी की उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देने में आगे रहने वाले लोगों को हर कोई पसंद करता है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते। आप अगर इन दोनों गुणों को अपना लेते हैं तो लोग आपको जरूर पसंद करेंगे, आपको इंपॉर्टेंस देंगे।

उम्मीदें ना करें: लोगों से उम्मीदें रखने से अकसर निराशा हाथ लगती है। जब आपकी उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो आप उनके प्रति बुरा सोचने लगते हैं। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक ही है। फिर दूसरे भी आपसे दूर रहने लगते हैं। जीवन में व्यावहारिक बनें और सरल सोचें। अगर आपने किसी की मदद की है, तो वह आपका स्वभाव है और आपको सुविधा थी तो आपने वैसा किया। इस भाव से मदद करने और संपर्क रखने पर जादुई असर होता है। लोगों के एक बड़े समूह के बीच आप लोकप्रिय होने लगते हैं।

शब्दों का चयन सावधानी से करें: आप लोगों से अपनी बातचीत के माध्यम से जुड़ते हैं। उन्हें प्रभावित भी संवाद से ही किया जा सकता है। आप बोलते वक्त कैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, आपकी टोन कैसी है, बॉडी लैंग्वेज कैसी है आदि बातें बहुत मायने रखती हैं। दूसरों की बात गौर से सुनें, आई कॉन्टेक्ट रखें। कोई अपनी बात कह रहा है तो बीच में अपनी गाथा ना सुनाएं। अनचाही सलाह देने से बचें और तेज आवाज में बात न करें। कम्युनिकेशन स्किल जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, चाहे वह रिश्ते बनाना हो या कारोबार बढ़ाना हो। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होने लगेगा। लोग आपसे जुड़ते चले जाएंगे। *

उपयोगी पेड़
वीना गौतम

अच्छी सेहत के साथ अच्छी आमदनी भी कराए अनार

पौष्टिकता और औषधीय गुणों से भरपूर अनार का वैज्ञानिक नाम 'पुनिका ग्रैनटम' है। यह 'लिथरेसी' परिवार का पेड़ है। हाल के सालों में अनार एक महत्वपूर्ण नकदी फसल के रूप में उभर कर सामने आया है। अनार मध्यम आकार का झाड़ीनुमा वृक्ष होता है, जो आमतौर पर 6 से 8 फुट ऊंचा होता है, लेकिन व्यवस्थित तरीके से देखरेख करने पर इसके पेड़ 10 से 15 फीट तक भी ऊंचे हो सकते हैं। इसका फल गोलाकार, कठोर परत वाला होता है। इस कठोर परत के नीचे लाल रंग के रसदार दाने भरे होते हैं।

सदियों पुराना पेड़: अनार मूलतः ईरान और उत्तरी भारत का देशज पेड़ माना जाता है। भारत में अनार का पेड़ प्राचीनकाल से मौजूद रहा है। हमारे प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी अनार के औषधीय गुणों का उल्लेख मिलता है। प्राचीनकाल में अनार राजा-महाराजाओं के लिए ही उपलब्ध था, यह उनके भोजन और फलाहार का हिस्सा हुआ करता था।

अनार की विभिन्न किस्में: भारत में अनार की पाई जाने वाली सबसे लोकप्रिय किस्म 'भगवा' है। इस किस्म के फल बड़े और दाने चमकदार लाल रंग के होते हैं। निर्यात के लिए यह उपयुक्त किस्म मानी जाती है। भगवा के अलावा कंधारी, गणेश, अर्का मृदुला, अर्का रक्षक, ज्योति, रूबी नाम की किस्में पाई जाती हैं। हर किस्म की कुछ न कुछ खासियत होती है।

भारत में खेती: पहले अनार का पेड़ आमतौर पर हिमालयी क्षेत्रों और दक्कन के पठार में ही पाया जाता था। मगर आजकल देश के ज्यादातर हिस्सों में इसकी अलग-अलग किस्में उगाई जाती हैं। भारत में व्यावसायिक दृष्टि से अनार का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब के कई क्षेत्रों में भी अनार की खेती की जाती है। अनार की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं की बात करें तो इसके लिए लिए कम वर्षा, हल्की दोमट मिट्टी और 5.5 से 7.5 पीएच की भूमि सबसे उपयुक्त होती है।

किसानों के लिए फायदेमंद: एक एकड़ जमीन में करीब 400 से 500 अनार के पेड़ लग जाते हैं और हर पेड़ से कम से कम 10 से 12 किलो अनार का उत्पादन होता है। प्रति एकड़ 4000 से 6000 किलोग्राम तक अनार का उत्पादन हो सकता है। इसमें 60 हजार से 1 लाख रुपए के बीच लागत आती है। अगर इसका बाजार भाव 80 रुपए भी मिल जाए तो किसान को हर साल 3 से 4 लाख रुपए की आमदनी हो सकती है। *

टेक्नो-बिहेवियर
मेघा राठी

लगभग सभी सोशल मीडिया यूजर्स इमोजी का यूज करते ही हैं। लेकिन इसका यूज करते समय कुछ एटिकेट्स का ध्यान रखना जरूरी है। इमोजी डे (17 जुलाई) के अवसर पर जानिए इनके बारे में।

जब यूज करें इमोजी ना भूलें एटिकेट्स

इन दिनों सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के दौरान या मैसेज भेजते समय इमोजी का यूज करना एक ट्रेंड बन गया है। लेकिन इमोजी भेजते समय लापरवाही बरतना आपकी इमेज बिगाड़ सकता है, आपको नॉनसिरीयस साबित कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि शब्दों की तरह ही इमोजी का भी यूज सोच-समझकर करें।

डिजिटल युग में कम्युनिकेशन: वर्तमान डिजिटल युग में संवाद का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया पर लेख, पोस्ट, सूचनाएं या अनुभव कुछ भी पढ़कर शीघ्रता से प्रतिक्रिया के रूप में 'लाइक', 'डिसलाइक' या किसी अन्य प्रतीक के रूप में इमोजी भेज दिया जाता है। इनमें सबसे अधिक प्रयोग होने वाला चिन्ह है- दिल। यह प्रतीक जो मूलतः प्रेम, आत्मीयता या गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन अब रिएक्शन का सबसे सरल प्रतीक बन गया है। चाहे विषय गंभीर हो, आध्यात्मिक हो, संघर्षपूर्ण जीवन अनुभव हो या सामाजिक समस्या-सब पर एक समान प्रतिक्रिया के रूप में यह चिन्ह लगा दिया जाता है।

प्रतीकों का भी होता है संदर्भ: वास्तव में, 'दिल' तब उपयुक्त प्रतीक होता है, जब विषय आत्मीय हो- जैसे मित्रता, स्नेह, समर्थन या व्यक्तिगत अनुभवों में सहानुभूति। लेकिन जब विषय दार्शनिक, वैचारिक या तर्कसंगत हो या जब वह शोक, पीड़ा या सामाजिक असमानता से जुड़ा हो, तब ऐसे प्रतीकों से प्रतिक्रिया देना विषय की गंभीरता को हल्का बना देता है। यह न केवल लेखक के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि भेजने वाले की समझ पर भी प्रश्न उठाता है।

हर जगह इमोजी भेजना उचित नहीं: इमोजी भेजने की प्रवृत्ति सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही, अब लोग आधिकारिक ईमेल, विभागीय संदेश या वरिष्ठों को भेजे जाने वाले संवादों में भी इमोजी का प्रयोग करने लगे हैं। यह न केवल संवाद की गंभीरता को कम करता है, बल्कि कई बार यह आपकी अनुशासनहीनता या असंवेदनशीलता का संकेत भी माना जा सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए। इमोजी का प्रयोग मित्रता, निजी वार्तालाप में उपयुक्त है, लेकिन इसकी सीमाएं स्पष्ट होनी चाहिए। डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ विवेक भी आवश्यक है।

डिजिटल एटिकेट का रखें ध्यान: किसी भी इमोजी को सेलेक्ट करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें।

- सोच-समझकर इमोजी का चयन करें।
- कार्यालय या वरिष्ठों के साथ संवाद में औपचारिक भाषा अपनाएं।
- गंभीर विषयों पर केवल इमोजी के बजाय मौलिक प्रतिक्रिया दें।
- यदि इमोजी भेजना हो तो विषय के अनुकूल ही सेलेक्ट करें। प्रतीकों का प्रयोग प्रासंगिकता के साथ होना चाहिए, न कि केवल आदत या सुविधा के कारण। *

कुछ कॉमन इमोजी

- ❤️ स्नेह, मित्रता, सहानुभूति, प्रेरणा।
- 😂 हंसी मजाक, मीम, हल्के-फुल्के निजी संवाद।
- 😢 संवेदना, शोक व्यक्त करने के लिए।
- 🙏 धन्यवाद, सम्मान, श्रद्धांजलि, प्रार्थना।
- 🔥 प्रेरक कार्य, जोश, उपलब्धि की सराहना।
- 👏 किसी की उपलब्धि, प्रेरक विचार का समर्थन।
- 😍 रोमांटिक या सौंदर्य-प्रशंसा से जुड़े।
- 🤔 तर्क, प्रश्न, विचार-उत्तेजक विषय।

सिने-जगत / अशोक जोशी

हम जो पर्दे पर देखते हैं, वो सितारों की रील लाइफ होती है। जो जिंदगी वह वास्तव में जीते हैं, वह उनकी रियल लाइफ होती है। पर्दे पर हमें जीवंत, सुखी, स्वस्थ और ढाई घंटे में बरसों लंबी जिंदगी के दर्शन करा देने वाले कुछ सितारे ऐसे भी हैं, जिनकी जिंदगी किसी शॉर्ट फिल्म जितनी ही छोटी रही।

कम उम्र में गुजरे बीते दौर के सितारे: पिछली सदी में पचास का दशक हिंदी फिल्मों का आरंभिक दौर था। उस दौर में अभिनेता श्याम एक जाने माने सितारे थे, जिनकी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिरने से मौत हो गई थी। जिस समय यह हादसा हुआ, उनकी उम्र केवल 31 बरस ही थी। के.एल. सहगल हिंदी फिल्म के मशहूर गायक और अभिनेता थे। लेकिन शराब की लत के कारण उन्हें लीवर सिरोसिस हो गया था। मात्र साढ़े बयालिस साल की उम्र में सहगल इस दुनिया से विदा हो गए।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'साहेब बीवी और गुलाम' जैसी क्लासिक फिल्में देने वाले गुरुदत्त महज 39 वर्ष की उम्र में दुनिया छोड़ गए थे। गुरुदत्त को इन्सोम्निया (स्लीप डिसऑर्डर) की बीमारी थी। कहा जाता है कि शराब के अत्यधिक सेवन और नींद की गोली के ओवरडोज के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

हाल में गुजर गए युवा सितारे: बीते कुछ दशकों की बात करें तो फिल्म और टेलीविजन के कई प्रसिद्ध कलाकार बेहद कम उम्र में ही जिंदगी की जंग हार गए। सुशांत सिंह राजपूत ने सिर्फ 34 साल की उम्र में कथित आत्महत्या कर ली। हालांकि सुशांत की मौत की वजहों को लेकर आज भी कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। बिग बॉस 13 के विनर और टीवी के मशहूर अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की हार्ट अटैक के कारण हुई अचानक मृत्यु ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। सिद्धार्थ सिर्फ 40 साल की उम्र में इस दुनिया से रुखसत हो गए। अभिनेता इंदर कुमार महज 44 साल की उम्र में दुनिया छोड़ कर चले गए। उनके निधन की भी वजह हार्ट अटैक को ही माना गया था। हालांकि अपने निधन से कुछ साल पहले इंदर कुमार एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हेलिकॉप्टर से जमीन पर गिर गए थे और तभी से उनको कई परेशानियां शुरू हो गई थीं।

कई अभिनेत्रियां भी गुजर गईं कम उम्र में: हिंदी सिनेमा की वीनस कही जाने वाली मोहक व्यक्तित्व की मलिका मधुबाला की मुस्कान आज भी दर्शकों के मस्तिष्क पर छाई हुई है। फिल्मी करियर के साथ ही उनका जीवन भी छोटा ही रहा। उन्होंने 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी मृत्यु का कारण दिल की बीमारी बताया जाता है। इसी तरह ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी की रियल लाइफ भी किसी ट्रेजडी से कम नहीं थी। पारिवारिक विवाद और दुःख से परेशान मीना कुमारी ने शराब से नाता जोड़ लिया था। अपने गम में डूबी मीना कुमारी 38 वर्ष की उम्र में इस दुनिया से कूच कर गईं। अपने जमाने की सफलतम नायिकाओं में से एक गीताबाली भी चेचक की बीमारी के कारण मात्र 34 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री स्मिता पाटिल जब सिनेमा में आईं तो लगा था कि मीना कुमारी की खाली जगह भर जाएगी। अपने छोटे से फिल्मी जीवन में स्मिता पाटिल ने न केवल समानांतर फिल्मों में अपनी जगह बनाई बल्कि अमिताभ बच्चन के साथ 'नमक हलाल' जैसी सुपरहिट कॉमर्शियल फिल्म की सफलता में बराबर का योगदान दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश डिलीवरी के दौरान पीलिया से पीड़ित होकर वह मात्र 29 साल की उम्र में स्वर्ग सिधार गईं। बाद के दौर की बात करें तो उभरती नायिका दिव्या भारती को भी बेहद कम उम्र में मौत ने अपनी आगोश में ले लिया था। सफलता के सिंहासन पर बैठी यह नायिका मात्र 19 साल की उम्र में एक हादसे का शिकार हो चल बसीं।

स्मिता पाटिल

प्रत्युषा बनर्जी

हाल में दिवंगत हुईं एक्ट्रेसेस: बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस जिया खान भी 25 की उम्र में दुनिया को छोड़ गईं। जिया ने खुदकुशी कर ली थी। धारावाहिक 'बालिका वधु' से अपनी पहचान बनाने वालीं प्रत्युषा बनर्जी ने भी जिंदगी से हार मान कर मौत को गले लगा लिया। प्रत्युषा ने महज 24 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली थी। ऐसे ही कई सफल एवं उभरती हुई अभिनेत्रियों की मृत्यु बेहद कम उम्र में हुई। अगर एकदम हाल की घटना का जिक्र करें, तो 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर मॉडल-एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला हाल ही में 42 वर्ष की उम्र में अचानक दुनिया को अलविदा कह गईं। *

हाल में ही एक्ट्रेस-मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई डेथ ने सबको चौंका दिया। लेकिन शेफाली से पहले भी हिंदी सिनेमा और छोटे पर्दे के कई एक्टर-एक्ट्रेसेस बहुत कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह गए हैं। ऐसे ही कुछ कलाकारों पर एक नजर, जो युवावस्था में ही इस जहान से रुखसत हो गए।

सितारे जिन्होंने कम उम्र में ही
दुनिया को कह दिया अलविदा

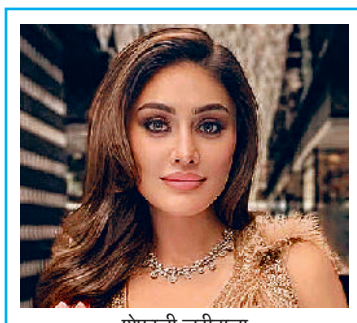

शेफाली जरीवाला

सुशांत सिंह राजपूत

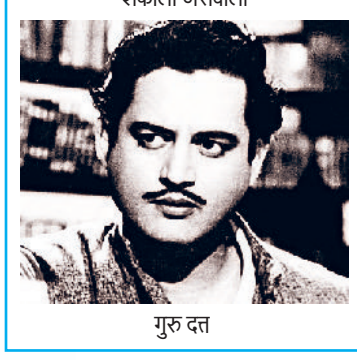

गुरु दत्त

मीना कुमारी